

राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली प्रतिभाओं को राज्यपाल ने 'राजस्थान गौरव' अवार्ड से सम्मानित किया

राज्यपाल ने संविधान के आलोक में भारतीय संस्कृति से जुड़ने का किया आह्वान

देश और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करें –राज्यपाल

जयपुर, 18 मार्च। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि भारतीय संस्कृति उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ी हुई है। इसीलिए विश्वभर को मार्गदर्शन प्रदान करते भारत विश्वगुरु रहा है। उन्होंने इस संस्कृति से सीख लेते हुए सभी को सर्व कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वही समाज विकास की ओर अग्रसर होता है, जहां प्रतिभाओं का सम्मान होता है। उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को 'राजस्थान गौरव' सम्मान प्रदान करते हुए उनसे अपेक्षा भी की कि वे देश और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करें।

राज्यपाल श्री मिश्र सोमवार को एक निजी होटल में आयोजित संस्कृति युवा संस्थान द्वारा आयोजित 'राजस्थान गौरव' सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि कोई संस्था समाज सेवा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली प्रतिभाओं को 29 वर्षों से निरंतर सम्मानित कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन्हें सम्मान मिलता है, उनका समाज के प्रति दायित्व और अधिक बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि संस्कृति का अर्थ ही होता है—निरंतर जो परिवर्तन को लेकर चले। हर समय जिसमें परिवर्तन और नया कुछ ग्रहण करने की क्षमता बनी रहे, वही संस्कृति है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति इसीलिए विश्व भर में आज भी अपनी पहचान बनाए हुए कि इसमें उदारता है। इसमें नए परिवर्तनों को साथ लेकर चलने की क्षमता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे सामाजिक परिवर्तन के संवाहक बनें। उन्होंने सभी को जीवन में संतुलन और परस्पर समन्वय रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संविधान अधिकारों और कर्तव्यों का संतुलन लिए है। यह देश को शासित करने से जुड़ा विधान ग्रंथ ही नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति और उदात्त जीवन मूल्यों का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें राष्ट्र से जुड़ी हमारी दृष्टि को रूपायित किया हुआ है। उन्होंने संविधान के आलोक में भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया।

इससे पहले संस्कृति युवा संस्थान के पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि संस्थान द्वारा पिछले 29 वर्षों में 850 से अधिक प्रतिभाओं को 'राजस्थान गौरव' से सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान एक लाख से अधिक युवाओं की भागीदारी वाली विश्व की दूसरी सबसे बड़ी जयपुर मैराथन का आयोजन करता है। लंदन की ब्रिटिश पार्लियामेंट, अमेरिका के यूनाइटेड नेशन और फ्रांस के सीनेट में भारतीय प्रतिभाओं को 'भारत गौरव' अलंकरण से

सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा युवा प्रोत्साहन हेतु उन्हें स्कॉलरशिप आदि भी दी जाती है। इस अवसर पर अधिवक्ता श्री एच.सी. गणेशिया ने संस्कृति युवा संस्थान के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इसके जरिए आदर्श की स्थापना करने वाले व्यक्तित्वों की परख कर उन्हें सम्मानित किया जाता है।

राज्यपाल ने पूर्व में संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। आरंभ में राज्यपाल का श्री दिनेश शर्मा, श्री गौरव धामाणी ने स्वागत किया। सभी का आभार संस्था के संरक्षक श्री गोविंद पारीक ने जताया। समारोह में बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, विशिष्ट जन उपस्थित रहे।



